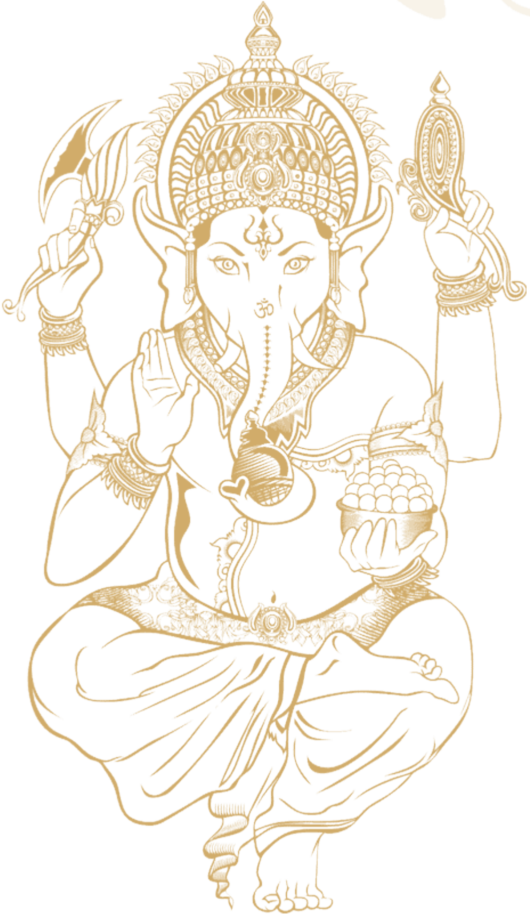

Lalu

19 Aug 1992

09:00 PM

Sasaram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121690404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/08/1992**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	38:45:51 घटी
स्थान	**Sasaram**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:58:00 उत्तर
रेखांश	84:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:06:04 घंटे
वेलान्तर	-00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	18:58:58 घंटे
सूर्योदय	05:29:39 घंटे
सूर्यास्त	18:24:53 घंटे
दिनमान	12:55:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:07:26 सिंह
लग्न के अंश	26:10:23 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:10:23	477:36:29	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			सिंह	03:07:26	00:57:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	12:08:32	12:32:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	21:57:57	00:38:06	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	14:46:25	00:47:14	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	25:07:37	00:12:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	21:27:41	01:13:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	20:28:24	00:04:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	04:58:21	00:03:22	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	04:58:21	00:03:22	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:45:21	00:01:34	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:48:53	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:29:59	00:00:40	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			धनु	19:49:06	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:33

लग्न-चलित

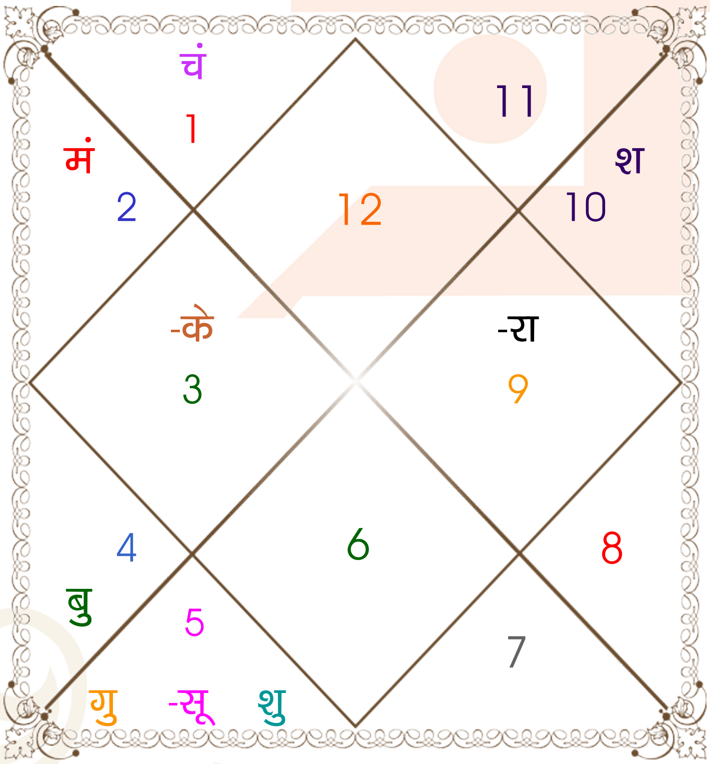

चन्द्र कुंडली

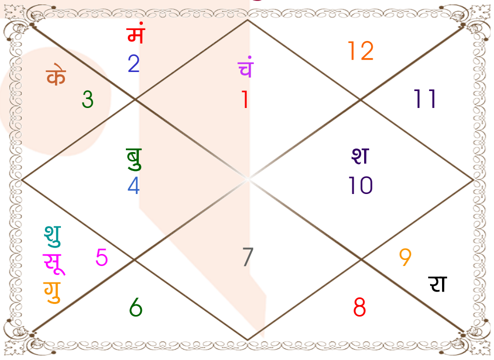

नवमांश कुंडली

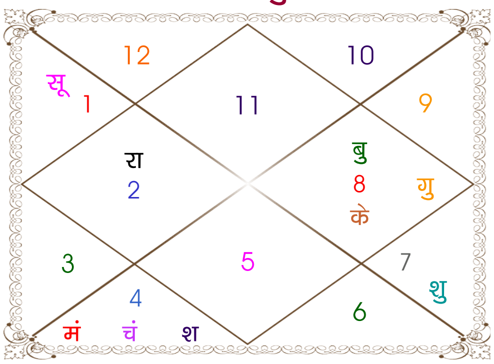

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/08/1992		05/04/1993		05/04/2013		05/04/2019		05/04/2029	
05/04/1993		05/04/2013		05/04/2019		05/04/2029		05/04/2036	
	00/00/0000	शुक्र	04/08/1996	सूर्य	23/07/2013	चंद्र	04/02/2020	मंगल	01/09/2029
	00/00/0000	सूर्य	05/08/1997	चंद्र	22/01/2014	मंगल	04/09/2020	राहु	19/09/2030
	00/00/0000	चंद्र	05/04/1999	मंगल	30/05/2014	राहु	06/03/2022	गुरु	26/08/2031
	00/00/0000	मंगल	04/06/2000	राहु	24/04/2015	गुरु	06/07/2023	शनि	04/10/2032
	00/00/0000	राहु	05/06/2003	गुरु	10/02/2016	शनि	03/02/2025	बुध	01/10/2033
	00/00/0000	गुरु	03/02/2006	शनि	22/01/2017	बुध	05/07/2026	केतु	28/02/2034
	00/00/0000	शनि	05/04/2009	बुध	28/11/2017	केतु	03/02/2027	शुक्र	30/04/2035
	19/08/1992	बुध	04/02/2012	केतु	05/04/2018	शुक्र	04/10/2028	सूर्य	04/09/2035
बुध	05/04/1993	केतु	05/04/2013	शुक्र	05/04/2019	सूर्य	05/04/2029	चंद्र	05/04/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/04/2036		05/04/2054		05/04/2070		05/04/2089		06/04/2106	
05/04/2054		05/04/2070		05/04/2089		06/04/2106		20/08/2112	
राहु	17/12/2038	गुरु	23/05/2056	शनि	08/04/2073	बुध	01/09/2091	केतु	02/09/2106
गुरु	11/05/2041	शनि	05/12/2058	बुध	17/12/2075	केतु	29/08/2092	शुक्र	02/11/2107
शनि	17/03/2044	बुध	11/03/2061	केतु	25/01/2077	शुक्र	30/06/2095	सूर्य	09/03/2108
बुध	05/10/2046	केतु	15/02/2062	शुक्र	26/03/2080	सूर्य	05/05/2096	चंद्र	08/10/2108
केतु	23/10/2047	शुक्र	16/10/2064	सूर्य	08/03/2081	चंद्र	04/10/2097	मंगल	06/03/2109
शुक्र	23/10/2050	सूर्य	05/08/2065	चंद्र	08/10/2082	मंगल	02/10/2098	राहु	25/03/2110
सूर्य	17/09/2051	चंद्र	05/12/2066	मंगल	17/11/2083	राहु	21/04/2101	गुरु	01/03/2111
चंद्र	18/03/2053	मंगल	10/11/2067	राहु	22/09/2086	गुरु	28/07/2103	शनि	09/04/2112
मंगल	05/04/2054	राहु	05/04/2070	गुरु	05/04/2089	शनि	06/04/2106	बुध	20/08/2112

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।